

**EVANGELISM**  
E P I S O D E S

The True and Living God Is Knowable!  
Part 1 - Acts 17:15-23

39

---

---

---

---

---

---

---

**1 Kgs.8:43**

“...that all people of the earth may know Thy name,  
to fear Thee...”

40

---

---

---

---

---

---

---

**A. THE PASSIONATE HEART OF  
THE APOSTLE - 17:15-17, 22-23**

41

---

---

---

---

---

---

---

**A. THE PASSIONATE HEART OF THE APOSTLE - 17:15-17, 22-23**

- 1. I Must Be Steadfastly Available (vs.15-16)
- 2. I Must Be Spiritually Alert (vs.16b, 22b-23)
- 3. I Must Be Willing to Stand Alone (vs.17, 22a)

42

---

---

---

---

---

---

---

---

**B. THE PHILOSOPHICAL MIND OF THE ATHENIANS - 17:18-21**

43

---

---

---

---

---

---

---

---

**B. THE PHILOSOPHICAL MIND OF THE ATHENIANS - 17:18-21**

- 1. The Lost Are Wise in Their Own Eyes (v.18)

44

---

---

---

---

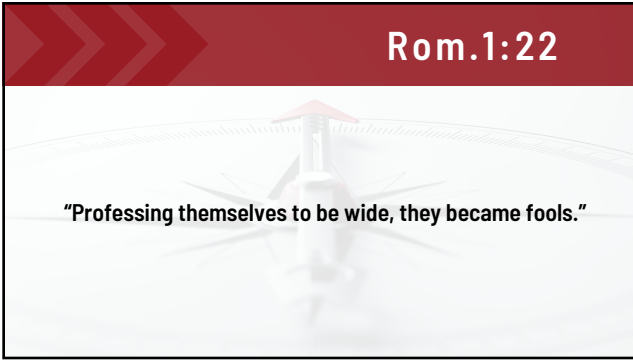
---

---

---

---

**Rom.1:22**



"Professing themselves to be wise, they became fools."

45

---

---

---

---

---

---

---

**B. THE PHILOSOPHICAL MIND OF THE ATHENIANS - 17:18-21**

1. The Lost Are Wise in Their Own Eyes (v.18)
2. The Lost Are Willing to Have Their Ears Tickled (vs.19-21)

46

---

---

---

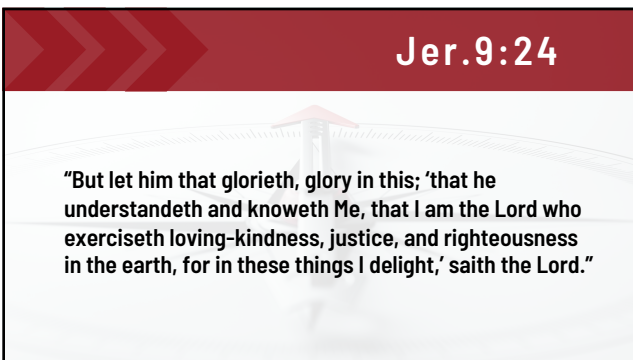
---

---

---

---

**Jer.9:24**



"But let him that glorieth, glory in this; 'that he understandeth and knoweth Me, that I am the Lord who exerciseth loving-kindness, justice, and righteousness in the earth, for in these things I delight,' saith the Lord."

47

---

---

---

---

---

---

---